



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 353] नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 12, 1983/श्रावण 21, 1905
No. 353] NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 12, 1983/SRAVANA 21, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय

(श्रम विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1983

का. आ. 594(अ).—केंद्रीय सरकार ने बालक नियोजन अधिनियम, 1938
(1938 का 26) की अनुसूची में "भवन और निर्माण उद्योग" की मद संख्यांक 11
के रूप में जोड़ने के अपने आशय को, उक्त अधिनियम की धारा 3-क की अपेक्षा-
नुसार, भारत सरकार के श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम विभाग) की अधिसूचना
सं. का. आ. 850 (अ), तारीख 24 नवम्बर, 1982 के अधीन, भारत के राजपत्र,
असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (2), तारीख 18 दिसम्बर, 1982 में अधि-
सूचित किया था -

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 3-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की अनुसूची में "भवन और निर्माण उद्योग" को मद संख्यांक 11 के रूप में जोड़ती है।

[एस-27025/34/82-सी. एल.]

गिरिजा ईश्वरन्, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th August, 1983

S.O. 594(E).—Whereas the Central Government notified its intention, as required by section 3A of the Employment of Children Act, 1938 (XXVI of 1938), to add to the schedule of said Act "building and construction industry" as item number 11 in the Gazette of India Extraordinary Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated 18th December, 1982, under the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) No. S.O. 850(E) dated 24th November, 1982.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3A of the said Act, the Central Government, hereby adds to the schedule of the said Act "Building and Construction Industry" as item number 11.

[S 27025/34/82-CL]

GIRIJA ESWARAN, Jt. Secy.